UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Defence & Security · GS - III

जम्मू -कश्मीर में आतंकवादी
वित्तपोषण नेटवर्क आंतरिक
सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती
हैं। आतंकवादी वित्तपोषण के
स्रोतों और इससे निपटने के
उपायों का विश्लेषण कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 30/10/2026

PAPER

GS - III

SUBJECT

Defence & Security

MARKS

10

WORD LIMIT

~ 150 words

Answer Hint

आतंकवादी वित्तपोषण ; जबरन वसूली ; UAPA; PMLA; हवाला नेटवर्क ;
डिजिटल निगरानी ; अंतर -एजेंसी समन्वय ; FATF

Model Answer

भूमिका
आतंकवादी वित्तपोषण आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को बनाए रखने
का प्रमुख माध्यम है। जम्मू -कश्मीर में जबरन वसूली और स्थानीय
नेटवर्क के माध्यम से धन जुटाने की घटनाएं आंतरिक सुरक्षा के लिए
चुनौती उत्पन्न करती हैं।
आतंकवादी वित्तपोषण के प्रमुख स्रोत
1. जबरन वसूली : स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को धमकाकर धन एकत्र
करना।
2. हवाला नेटवर्क : अनौपचारिक वित्तीय माध्यमों से धन का हस्तांतरण।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

3. आपराधिक गतिविधियां : तस्करी और अन्य अवैध
गतिविधियों से प्राप्त धन का उपयोग।

4. जेलों एवं बाहरी नेटवर्क से संपर्क : जेलों
में बंद आतंकियों और बाहरी सहयोगियों के
माध्यम से नेटवर्क का संचालन।

नियंत्रण के उपाय

UAPA और PMLA के प्रभावी क्रियान्वयन
द्वारा वित्तीय नेटवर्क पर कार्रवाई।
संदिग्ध लेन -देन की निगरानी और डिजिटल
साक्ष्यों का विश्लेषण।
पुलिस , खुफिया एजेंसियों और वित्तीय
संस्थानों के बीच समन्वय।
स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा तथा जबरन
वसूली के विरुद्ध शिकायत तंत्र को
मजबूत करना।
FATF मानकों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय
सहयोग।

निष्कर्ष

आतंकवाद के विरुद्ध प्रभावी रणनीति के लिए
केवल सुरक्षा कार्रवाई पर्याप्त नहीं है।
वित्तीय नेटवर्क को बाधित करना, नागरिकों
का विश्वास बनाए रखना और कानून के अनुरूप
जांच करना भी आवश्यक है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias